

हं हं हं हं हं ॥ असावनधनदयकासायमायनरुद्धा ॥ १३ ॥ ॐ नमा
रुगावरेषुष्यधूपअहिमहाववराजयकथागताया ॥ हं न सम्यक् सवका
यवाक्यथा ॥ श्रीमहाकपजनामायनाजिनासर्वकासनकथायः हन ॥ हं
हं हं हं हं हं ॥ ॐ नमा सर्वकथामरुगुगतायकथागताया ॥ हं न सम्य
हं वृद्धायकथाम ॥ ॐ मधिवनिवडिनिमहापकिस्ववक्रमां हं

असावनधनदयकासायमायनरुद्धा
MSA ARCHIVES

2578

हृत्स्वाहा ॥ अथ पृथ्वी नमस्कराणां कामकृदायानामुपायमाचनम् ॥
 ॐ नमो भगवते नवविनांसम्यक् वृद्धकाटिनां नियुक्त
 मरुसह्यानां भक्तभक्तनकेस्त्वय ॥ ॐ नमो यत्रिमितो यस्त्वय विरुक्तं ॥ गं
 गानदिवा वृक्षानां कथागणकाटिनां ॥ ॐ नमो वलपुत्रलविभुद्धं ॥ २६
 हृत्स्वाहा ॥ अथ पृथ्वी हिमालयायानामुपायमाचनम् ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते महा

निनिनिनिनिनिनिनिनिनिनिनिनिनिनिनिनि ॥ १० ॥ मममममम
 मममममममममममममममममममममममम ॥ १० ॥ वलवलवलवलवलवलवल
 वलवलवलवलवलवल ॥ १० ॥ लललललललललललललललललल ॥ १० ॥ मल
 मलमलमलमलमलमलमलमलमलमलमलमलमल ॥ १० ॥ रुरु
 रुरु ॥ १० ॥ वावावावावावावावावावावा ॥ १० ॥ पापापापापापापापापापा

काष्ठायावमिताय ४ नाम भानति वा न यथा ॥ ॐ मृष्टि २ महा मूत यस्तु
हा ॥ **आर्य अष्ट सहस्रिकाष्ठायावमिता हृदय धात्र धो मनु ॥ ३२ ॥** ॐ न
मा सर्व कथा गुरु हृदय ॐ न मा वत्त उया य सर्व कथा गुरु हृदय जू न
गुरु ॐ कृ गि धि त्वा हा ॥ **कृ कृ कृ कृ न वान सा का टि स क क ल्य स ज न म स**
या ना पा य मा च न इ य ॐ ॥ ३३ ॥ ॐ न मा ज्ञा र्य य हा या व मि ता र्य ॥ क

२१

यथा ॥ ॐ गुरु २ पा व ग क या व संग क वा धि त्वा हा ॥ ॐ न म ४ मं कृ धी सं व
य कथा ॥ **पा व ग क उ न लु पा य मा च न ॥ ३४ ॥ ॐ न मा स न क रु डो य ४ वी धि**
स त्वा य म हा स त्वा य म हा का व धि का य ॥ क यथा ॥ ॐ न म रु व २ स त्वा
य त्वा हा ॥ कृ धा ३ वा न ता य क म हा पा य ना स ॥ ३५ ॥ ॐ न मा रु ग व क
म हा व ल् अ नि क रु य रु रु ग ना य क था ग ना या १ रु स न्य कृ व द्वा या ॥ क

कं

[illegible]

ASHA ARCHIVES

2.578